



Vikas



Ashtha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121815701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121815701

Date: 04/04/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
21/07/1997 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 17/10/1998  
सोमवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : शनिवार  
घंटे 09:00:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 12:35:00 घंटे  
घटी 08:37:37 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 15:27:38 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Yamunanagar : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Ambala  
30:07:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 30:19:00 उत्तर  
77:18:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 76:49:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे -00:20:48 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:22:44 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
05:32:57 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:26:02  
19:21:01 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:49:58  
23:49:21 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:50:14  
सिंह : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : धनु  
सूर्य : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : गुरु  
मकर : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : सिंह  
शनि : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : सूर्य  
श्रवण : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : पू०फाल्गुनी  
चन्द्र : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : शुक्र  
3 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 4  
प्रीति : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : ब्रह्म  
तैतिल : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : गर  
खे-खेमचन्द्र : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : टू-टुनटुन  
कर्क : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : तुला  
वैश्य : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : क्षत्रिय  
जलचर : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : वनचर  
वानर : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : मूषक  
देव : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : मनुष्य  
अन्त्य : \_\_\_\_\_ नाड़ी \_\_\_\_\_ : मध्य  
मार्जार : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : श्वान

**Pt.Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649,9996076834

rs96531@gmail.com

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी  
चन्द्र 3वर्ष 7मा 5दि  
गुरु

25/02/2026

25/02/2042

गुरु	14/04/2028
शनि	26/10/2030
बुध	31/01/2033
केतु	07/01/2034
शुक्र	07/09/2036
सूर्य	26/06/2037
चन्द्र	26/10/2038
मंगल	02/10/2039
राहु	25/02/2042

अंश

17:42:45
04:35:48
18:32:05
22:01:14
28:02:37
25:35:44
03:16:33
26:25:24
27:05:21
27:05:21
13:13:07
04:45:00
09:09:04

राशि

सिंह
कर्क
मक
कन्या
कर्क
मक व
सिंह
मीन
सिंह व
कुंभ व
मक व
मक व
वृश्चि व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप
प्लूटो

राशि

धनु
कन्या
सिंह
सिंह
तुला
कुंभ
कन्या
मेष
सिंह
कुंभ
कुंभ
मक
मक
वृश्चि

अंश

19:27:26
29:52:12
25:41:30
12:06:38
14:11:06
25:33:29
26:33:35
06:50:21
06:30:09
06:30:09
14:58:24
05:33:21
12:28:48

विंशोत्तरी

शुक्र 1वर्ष 5मा 16दि  
राहु

04/04/2023

03/04/2041

राहु	15/12/2025
गुरु	10/05/2028
शनि	17/03/2031
बुध	03/10/2033
केतु	22/10/2034
शुक्र	21/10/2037
सूर्य	15/09/2038
चन्द्र	16/03/2040
मंगल	03/04/2041

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

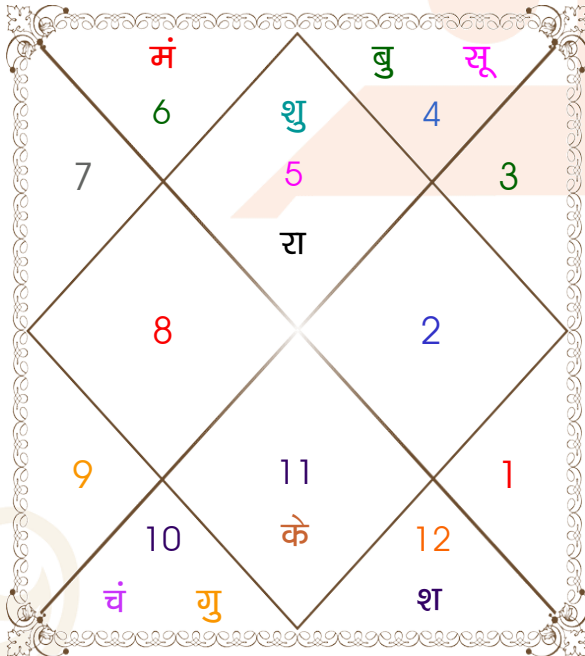
राहु : स्पष्ट

23:49:21

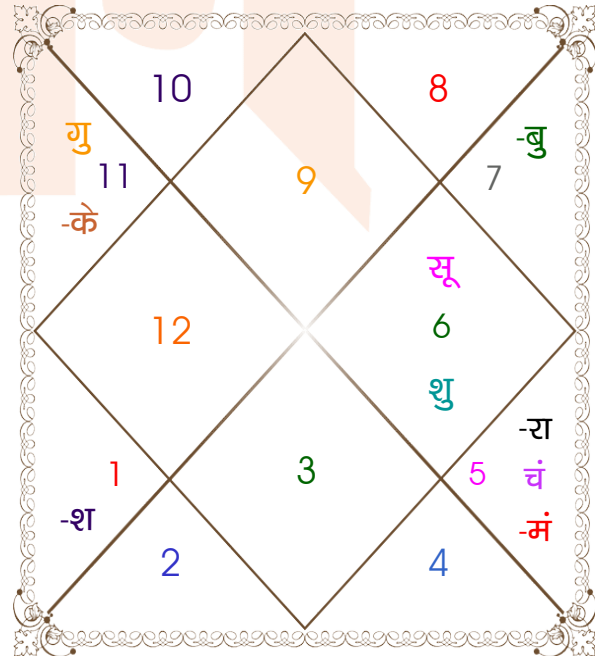
चित्रपक्षीय अयनांश

23:50:14

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Pt. Rahul Sharma

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

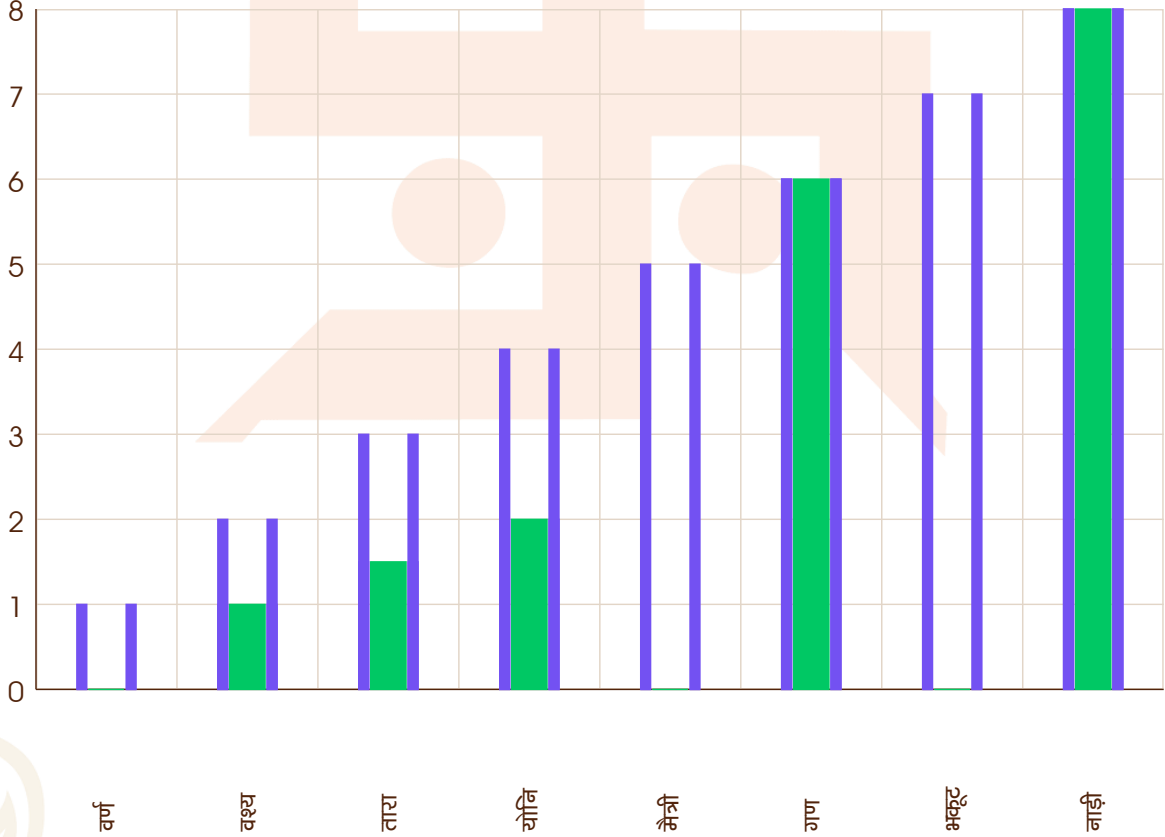
9050059649, 9996076834

rs96531@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>18.50</b>		

कुल : 18.5 / 36



**Pt. Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649, 9996076834

rs96531@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

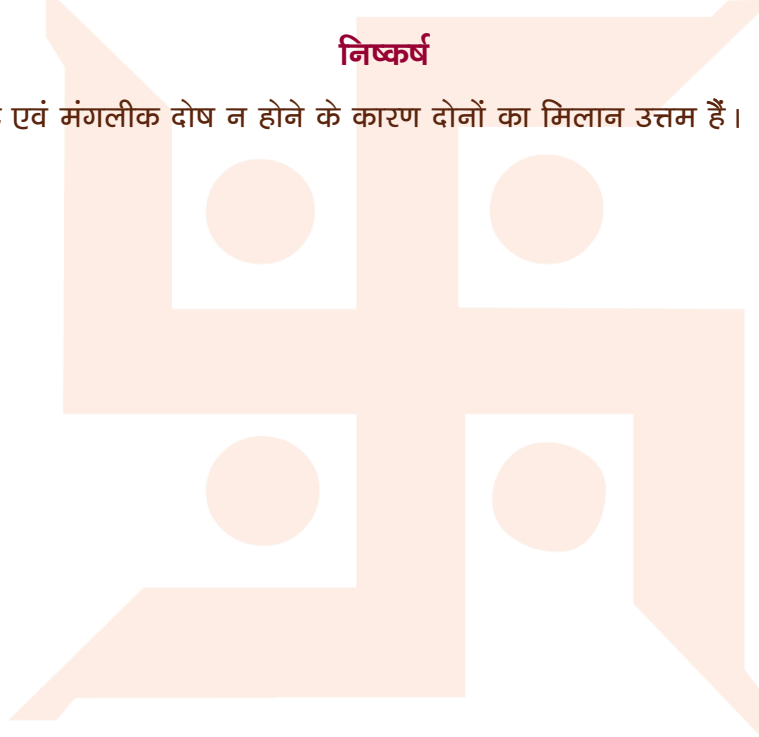
भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।  
टपों का वर्ग मार्जार है तथा ाीर्जी का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार टपों और ाीर्जी का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

टपों मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।  
ाीर्जी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।  
टपों तथा ाीर्जी में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



**Pt. Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649, 9996076834

rs96531@gmail.com

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

टपों का वर्ण वैश्य है तथा ़ीर्जी का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि ़ीर्जी का वर्ण टपों के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप ़ीर्जी अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। ़ीर्जी को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

### वश्य

टपों का वश्य जलचर है एवं ़ीर्जी का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर टपों एवं वनचर ़ीर्जी का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

### तारा

टपों की तारा विपत तथा ़ीर्जी की तारा मित्र है। टपों की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। टपों एवं टपों के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि ़ीर्जी हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर ़ीर्जी को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

### योनि

टपों की योनि वानर है तथा ़ीर्जी की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

**Pt.Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649,9996076834

rs96531@gmail.com

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में टपों एवं िर्जी दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण टपों एवं िर्जी के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी टपों दं िर्जी को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

### गण

टपों का गण देव तथा िर्जी का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु िर्जी अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

### भकूट

टपों से िर्जी की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा िर्जी से टपों की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। टपों एवं िर्जी दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभाव के होंगे। टपों शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा

**Pt.Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649,9996076834

rs96531@gmail.com

अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर गीर्जी बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

### नाड़ी

टपों की नाड़ी अन्त्य है तथा गीर्जी की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



**Pt. Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649, 9996076834

rs96531@gmail.com

## मेलापक फलित

### स्वभाव

टपों की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा िर्जी की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। भूमि तथा अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण टपों और िर्जी में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन समस्याओं से पूर्ण रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

टपों की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा िर्जी की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से टपों और िर्जी के परस्पर संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा मतभेद एवं विरोध के भाव रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे तथा आपस में आलोचनात्मक दृष्टिकोण रहेगा एवं अपने को एक दूसरे से श्रेष्ठ समझेंगे। अतः वैवाहिक जीवन में आनन्दानुभूति की न्यूनता रहेगी।

टपों और िर्जी की राशियां परस्पर अष्टम तथा षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल मकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा आपस में विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे एवं आपस में दुर्भावना भी दृष्टिगोचर होगी। अतः ऐसी प्रवृत्तियों की सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए उपेक्षा करनी चाहिए।

टपों का वश्य जलचर तथा िर्जी का वश्य वनचर है। अतः दोनों वश्यों में नैसर्गिक असमानता के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अन्तर रहेगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे। अतः ऐसे मिलान में विवाह की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

टपों का वर्ण वैश्य तथा िर्जी का वर्ण क्षत्रिय है। अतः टपों की प्रवृत्ति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे लेकिन िर्जी पराकमी तथा साहसिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी।

### धन

टपों और िर्जी दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

**Pt. Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649,9996076834

rs96531@gmail.com

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

### स्वास्थ्य

टपों की नाड़ी अन्त्य तथा ़ीर्जी की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से टपों और ़ीर्जी का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त टपों और ़ीर्जी के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ़ीर्जी के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ़ीर्जी को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ़ीर्जी को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से टपों और ़ीर्जी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार टपों और ़ीर्जी का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

़ीर्जी के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ़ीर्जी धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ़ीर्जी के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ़ीर्जी का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ़ीर्जी से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से

**Pt.Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649,9996076834

rs96531@gmail.com

सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

### ससुराल-श्री

टपों की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर टपों सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन टपों ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का टपों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

**Pt. Rahul Sharma**

Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar

9050059649, 9996076834

rs96531@gmail.com